



दिनांक

मास

सन् १९५५

निर्वाह अधिकारी

करें। विधिवत खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नंबर से नम होकर थाखिल दफ्तर ही।

  
उपखण्ड अधिकारी  
बरेली जयपुर

दिल्ली

*[Faint, mostly illegible handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*